कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।–

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त) सम्पत्ति से सम्बन्धित बही संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्सों का वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित बही संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों का वर्ष 2016 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

01/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र कम्प्यूटरीकृत अभिलेखों के आधार पर जारी

प्रार्थना–पत्र संख्या 1838/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1824/2017

श्री गर्ग रियल्टर्स प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र दिये जाने हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता सं०-00819 खसरा सं० 2444, 2445, 2446, 2447मि० 2847ट, 2849, 2850 2851, 2853, 2863अ, 2904 2906ब, 2916अ 2918, 2919, 2920, 291, 2922, 2923 2924, 2994, 2995, 3026अ 3027, 3034, 3035अ, 3036, 3037, 3040, 3052, 3053, 3054 3055अ 3056ब, 3057ब 3062, 2917, 2999, 3007, 3028, 3029 3030 3031, 3032, 3035ब 3042अ 3055ब ... 3058 3059 3063अ जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बही संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र संख्या / लेखपत्र वर्ष

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया गया –

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखपत्रों में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होगा।

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम) लखनऊ

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर

01/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण–पत्र

प्रार्थना पत्र संख्या 1846/2017 [illegible]

प्रमाण पत्र संख्या 1842/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के भारमुक्त के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र हेतु यह आवेदन पत्र प्रस्तुत किया।

खाता 01310 खसरा सं० 2372, 2373, 2374, 2235, 2338घ, 1995, 1996, 1997, 2430ग, 3269, 593, 2319, 481, 2431ग, 3961, 2003, 3236, 3198, 3199, 594क, 605, 607, 2338ग, 2524ग, 2437 व 2334क, 3177, 3178 का कुल रकबा 3.2317 हे० [illegible] तहसील व जिला लखनऊ

जैसा आवेदन-पत्र में दिया है

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूं कि (उक्त सम्पत्ति के सम्बन्धित) बही संख्या में एवं उससे सम्बन्धित इन्डेक्सों का वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :

क्रम सं०	सम्पत्ति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	[illegible]

[illegible]

नोट :-1. प्रमाण पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, [illegible] सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी बरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में [illegible] होगा।

3. प्रमाण-पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अभ्यावर्तिक निष्पादन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

4. यह भारमुक्त प्रमाण-पत्र किसी प्रकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण-पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के हस्ताक्षर
01/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर